

विषय में निपुणता प्राप्त करने के लिए, उस कार्य की अंतिम प्रस्तुति से पूर्व बार-बार करना
3. आदत। rehearsal

अभ्यासपुस्तक पुं. (तत्.) बार-बार अभ्यास या अध्ययन करने हेतु पुस्तक। work book

अभ्यास पुस्तिका स्त्री. (तत्.) दे. अभ्यास पुस्तक।

अभ्यास मैच पुं. (तत्.) खेल दो टीमों के बीच आधिकारिक प्रतियोगिता से कुछ दिन पहले किसी भी अन्य टीम के साथ खेला गया मैच जो आधिकारिक मैचों की शृंखला को प्रभावित नहीं करता। practice match

अभ्यासवशात् क्रि.वि. (तत्.) 1. बार-बार अभ्यास करने के कारण। 2. स्वभाव के वशीभूत होकर।

अभ्यासी वि. (तत्.) अभ्यास करने वाला, साधक।

अभ्युक्ति स्त्री. (तत्.) 1. किसी सिद्धांत, नियम, प्रस्थापना या सम्मति के विषय में औपचारिक कथन 2. मुकदमे में एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष पर लगाया गया दोष या अभियोग 3. टिप्पणी, किसी विषय पर अपनी राय का संक्षिप्त मौखिक या लिखित उल्लेख। remark

अभ्युत्थान पुं. (तत्.) 1. उठना, उठाना 2. आरंभ करना 3. उदय 4. किसी बड़े व्यक्ति के आने पर सम्मानार्थ खड़े होना।

अभ्युत्थायी वि. (तत्.) 1. उठकर स्वागत करने वाला, उठने वाला 2. उन्नति करने वाला। 3. जिसका अभ्युदय हुआ हो।

अभ्युत्थित वि. (तत्.) 1. उठा हुआ, आदरार्थ उठकर खड़ा हुआ 2. बढ़ा हुआ, उन्नत।

अभ्युत्थेय वि. (तत्.) 1. उठाने योग्य, जिसे उठाया जा सके 2. अभ्युत्थान का पात्र।

अभ्युदय पुं. (तत्.) 1. सूर्य आदि ग्रहों का उदय 2. उत्पत्ति 3. मनोरथ-लाभ 4. विवाह आदि का सुअवसर 5. उन्नति।

अभ्युदित वि. (तत्.) 1. उगा हुआ, निकला हुआ, उदित, उत्पन्न 2. समृद्ध, उन्नत।

अभ्युपगत वि. (तत्.) 1. निकट आया हुआ, पास पहुंचा हुआ 2. स्वीकार किया हुआ, अंगीकृत।

अभ्युपगम पुं. (तत्.) 1. सामने आना 2. तर्क. किसी विषय की आधारभूत पूर्वमान्यता के रूप में प्रस्तुत प्राक्कल्पना। postulation

अभ्र पुं. (तत्.) 1. मेघ, बादल 2. आकाश 3. अभ्रक, अबरक 4. स्वर्ण, सोना 5. कपूर।

अभ्रक पुं. (तत्.) सिलिकेट खनिजों का समूह जिसकी संरचना परतदार होती है। mica

अभ्रगंगा स्त्री. (तत्.) आकाश-गंगा।

अभ्रनाग पुं. (तत्.) देवराज इंद्र का हाथी, ऐरावत।

अभ्रपुष्प पुं. (तत्.) 1. आकाश कुसुम, असंभव वस्तु। 2. एक प्रकार का बेंत।

अभ्रभेदी वि. (तत्.) बहुत ऊँचा, आकाश तक पहुँचने वाला, आकाश को छूनेवाला, गगनचुंबी।

अभ्रम वि. (तत्.) जो भ्रमरहित हो, जिसे भ्रम न हो।

अभ्रांत वि. (तत्.) भ्रमरहित, भ्रांति रहित, स्थिर मति।

अभ्रांति स्त्री. (तत्.) भ्रांति का न होना सुनिश्चितता, सुस्पष्टता; स्थिरचित्तता, स्थिरता विलो. भ्रांति।

अभीय वि. (तत्.) 1. बादल से संबद्ध 2. बादलों जैसा। 3. बादल से उत्पन्न।

अमंगल वि. (तत्.) अशुभ, मंगलरहित, जो कल्याणकारी न हो पुं. 1. अकल्याण, अहित 2. एरंड वृक्ष विलो. मंगल।

अमंगल्य वि. (तत्.) जिससे हानि हो, अकल्याणकारी।

अमंत्र, अमंत्रक वि. (तत्.) 1. जो वेद मंत्रों का अधिकारी जाता न हो 2. वह कर्म जिसमें मंत्रों की आवश्यकता न हो पुं. मंत्र का अभाव।

अमंद वि. (तत्.) 1. जो धीमा न हो, तेज, उग्र 2. श्रेष्ठ, उत्तम 3. उद्यमशील विलो. मंद।